जन संदेश टाइम्स, वाराणसी; पृ० सं०-5
दिनांक: 13-6-19

# राजभाषा का किया सराहनीय प्रयोग

## तकनीकी क्षेत्र का मामला, डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

डीरेका में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में बोलती महाप्रबंधक रश्मि गोयल

**वाराणसी।** डीजल रेल इंजन कारखाना महाप्रबंधक सभा कक्ष में बुधवार को डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीराकास) की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करती हुई महाप्रबंधक रश्मि गोयल ने अपने सम्बोधन में कहा कि तकनीकी क्षेत्र में राजभाषा का सराहनीय प्रयोग कर डीरेका अन्य कार्यालयों के लिए पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वाह कर रहा है । यह डीरेका के लिए प्रसन्नता की बात है कि डीरेका का राजभाषा विभाग नगर के कार्यालयों में भी राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए प्रयासरत है। डीरेका के नवीन चुनौतियों का उल्लेख करती हुई कहा कि वर्तमान समय में डीरेका परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है । हमारे समक्ष उत्पादन की नई चुनौतियां है।

उपस्थित समस्त विभाग प्रमुखों एवं नोडल अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समस्त कर्मचारियों को नए निर्देश सुस्पष्ट एवं सरल हिन्दी में दिया जाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा विभाग की ओर से प्रकाशित होने वाले पत्रिका डीरेका दर्पण के लिए तकनीकी लेख मौलिक रूप से हिन्दी में लिखें। बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने राजभाषा विभाग की ओर से प्रकाशित डीरेका दर्पण के नवीन अंक का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से 'सौर ऊर्जा' विषय पर विशेषज्ञता पूर्ण व्याख्यान दिया। इस अवसर पर उपस्थित विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों की ओर से अपने-अपने विभाग से प्रस्तुत हिन्दी की प्रगति रपट पर चर्चा की गयी एवं अपने विचार प्रस्तुत किये गये । बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने किया ।

Scanned by CamScanner

राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी, पृ० सं०-6
दिनांक: 13-6-19

## डीरेका के समक्ष उत्पादन की नई चुनौतियां: रश्मि गोयल

**वाराणसी।** डीजल रेल इंजन कारखाना की महाप्रबंधक रश्मि गोयल ने कहा कि डीरेका के नवीन वर्तमान समय में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। हमारे समक्ष उत्पादन की नई चुनौतियां है। उन्हों ने विभाग प्रमुखों एवं नोडल अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समस्त कर्मचारियों को नये निर्देश सुस्पष्ट एवं सरल हिन्दी भाषा में दिया जाएं। श्रीमती गोयल डीरेका महाप्रबंधक सभा कक्ष में बुधवार को आयोजित डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीराकास) की तिमाही बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रही थी। बैठक के दौरान श्रीमती गोयल द्वारा राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित 'डीरेका दर्पण' के नवीन अंक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से 'सौर ऊर्जा' विषय पर व्याख्यान दिया गया। बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने किया।

आज, वाराणसी, पृ० सं०-5
दिनांक: 13-6-19

## राजभाषा का प्रयोग कर डीरेका कर रहा पथ प्रदर्शन की भूमिका-महाप्रबंधक

डीजल रेल इंजन कारखाना स्थित महाप्रबंधक सभा कक्षमें बुधवारको डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति डीराकास की तिमाही बैठक हुई। बैठककी अध्यक्षता करते हुए महाप्रबंधक श्रीमती रश्मि गोयल, ने कहाकि तकनीकी क्षेत्रमें राजभाषाका प्रयोग कर डीरेका अन्य कार्यालयोंके लिए पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वाह कर रहा है। उन्होंने कहाकि डीरेकाके नवीन चुनौतियोंका उल्लेख करती हुए कहाकि वर्तमान समयमें डीरेका परिवर्तनके दौरसे गुजर रहा है। हमारे समक्ष उत्पादन की नई चुनौतियां हैं। इस दौरान श्रीमती गोयलने उपस्थित समस्त विभाग प्रमुखों एवं नोडल अधिकारियोंको निर्देश देते हुए कहाकि समस्त कर्मचारियोंको नये निर्देश सुस्पष्ट एवं सरल हिन्दीमें दिया जाये। उन्होंने कहाकि अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित होने वाले पत्रिका 'डीरेका दर्पण' के लिए तकनीकी लेख मौलिक रूपसे हिन्दीमें लिखे। बैठककी दौरान महाप्रबंधक द्वारा राजभाषा विभाग की ओरसे प्रकाशित डीरेका दर्पण के नवीन अंकका विमोचन भी किया। बैठकका संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारीने किया।

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण, वाराणसी, पृ॰सं॰4
दिनांक: 13-6-19

## राजभाषा समिति की बैठक

वाराणसी : डीजल रेल कारखाना जीएम सभाकक्ष में राजभाषा क्रियान्वयन समिति की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जीएम रश्मि गोयल ने की। उन्होंने कहा कि तकनीकी क्षेत्र में राजभाषा का अच्छा प्रयोग करना सराहनीय है। डीरेका वर्तमान में परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। इस दौरान डीरेका महाप्रबंधक ने डीरेका दर्पण के नवीन अंक का विमोचन भी किया। प्रमुख मुख्य अभियंता ने सौर ऊर्जा पर व्याख्यान भी दिया। (जासं)

अमर उजाला, वाराणसी, पृ॰सं॰5
दिनांक: 13-6-19

## अधिकारी सरल हिंदी में निर्देश दें

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना के महाप्रबंधक सभा कक्ष में बुधवार को डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीराकास) की तिमाही बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता करते हुए महाप्रबंधक रश्मि गोयल ने कहा कि अधिकारी सरल हिंदी में ही सारे निर्देश दें। राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'डीरेका दर्पण' के लिए तकनीकी लेख मौलिक रूप से हिंदी में लिखें।

इस दौरान 'डीरेका दर्पण' के नवीन अंक का विमोचन किया गया। प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर की ओर से प्रस्तुतीकरण के माध्यम से 'सौर ऊर्जा' विषय पर विशेषज्ञतापूर्ण व्याख्यान दिया गया। ब्यूरो

हिन्दुस्तान, वाराणसी, पृ॰सं॰7
दिनांक: 13-6-19

## सरल हिन्दी में हों निर्देश

वाराणसी। डीरेका के महाप्रबंधक सभाकक्ष में बुधवार को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक की अध्यक्षता करते हुए महाप्रबंधक रश्मि गोयल ने कहा कि कर्मचारियों को निर्देश भी स्पष्ट व सरल हिन्दी में दिये जाएं। उन्होंने डीरेका दर्पण के नवीन अंक का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर ने 'सौर ऊर्जा' पर व्याख्यान दिया।

The Pioneer, Lucknow, P. No. 4
Dt. 13-6-19

# Meeting of DLW Rajbhasha body held

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

The quarterly meeting of DLW Rajbhasha Implementation Committee was organised in the General Manager Meeting Room of the Diesel Locomotive Works (DLW) here on Wednesday. While presiding the meeting, Rashmi Goel, General Manager said that in the technical field, DLW is performing the role of the exhibitor for other offices by commending the use of the Rajbhasha. It is a matter of great pleasure for DLW that the Rajbhasha department of DLW is also trying to implement the Rajbhasha policy in the other offices of the city.

Talking about the new challenges of DLW, she said that at present, DLW is going through a phase of change. 'We have new challenges in production,' she said, asking all the heads and nodal officers to give their new instructions to all employees in clear and simple Hindi. She said that technical articles for DLW's house journal 'Dereka Darpan' published by the Rajbhasha Department, should be original and written in Hindi. At the same time, working in Rajbhasha, one should not be dependent on translation but use only original language.

During the meeting, the new issue of 'Dereka Darpan' was released by the General Manager. On this occasion, a special lecture was delivered on the topic 'Solar Energy' through power presentation by Principal Chief Electrical Engineer. Earlier, welcoming the officials present in the meeting, the Chief Rajbhasha Officer informed the creative efforts being made for the use and progress of Hindi in DLW. On this occasion, the progress of Hindi presented by the heads and other officers present in their respective departments and discussion on the same was also held.

The meeting was conducted by Senior Rajbhasha Officer, who, at last, also proposed the vote of thanks.

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण, वाराणसी, पृ०सं० 4

दिनांक: 13-6-19

# अब 160 की स्पीड से दौड़ सकेंगे विद्युत रेल इंजन

**जागरण संवाददाता, वाराणसी :** चित्तरंजन लोकोमोटिव कार्यशाला आसनसोल ने आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले सामान्य विद्युत इंजन को 160 किमी प्रतिघंटे की गति से दौड़ने योग्य बना दिया है। विद्युत इंजन डब्ल्यूएपी-7 में तकनीकी बदलाव कर उसने डब्ल्यूएपी-7 एचएस नाम दिया है। वर्तमान में डब्ल्यूएपी-7 श्रेणी के इंजन अधिकतम 140 प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ रहे हैं। तकनीकी परिवर्तन के बाद इनकी रफ्तार 160 किमी प्रतिघंटे हो जाएगी। हाई स्पीड इंजन परीक्षण के लिए उत्तर रेलवे के गाजियाबाद शेड में भेजा गया है। वहीं डीजल रेल कारखाना (डीरेका) में भी इस तरह के इंजन को हाईस्पीड में परिवर्तित करने के लिए कुशल तकनीकी टीम और उपकरण हैं। रेलवे बोर्ड से निर्देश मिलते ही हाईस्पीड इंजन निर्माण शुरू हो जाएगा।

**14 टन हल्का होगा हाईस्पीड इंजन :** विद्युत इंजन के डब्ल्यूएपी-7 श्रेणी के इंजन को हाईस्पीड बनाने के लिए इसका वजन 14 टन तक कम किया गया। इसके अलावा गियर के अनुपात में आमूलचूल परिवर्तन किए गए। इसके साथ इस इंजन की स्पीड की निगरानी के लिए साफ्टवेयर में भी जरूरी बदलाव किए गए हैं।

परिवर्तित हाईस्पीड रेल इंजन • जागरण

डीजल रेल कारखाना में भी ऐसे इंजन बनाने की क्षमता व तकनीक मौजूद है। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर इनका उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा।

**-नितिन मेहरोत्रा,**
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, डीरेका

Scanned by CamScanner